डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

जनवरी 2025 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 7, अंक 03

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस औषध मानकम–24 का भव्य आयोजन (विस्तृत समाचार पृष्ठ 17 पर)

इस अंक में ....

- राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे एवं विश्वविद्यालय में एमओयू पर हस्ताक्षर
- आयुर्वेद विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया नवम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस
- नेशनल आयुर्वेद यूथ कान्क्लेव संयोजनम्–2024 का दिनांक 15–17 नवम्बर 2024 तक भव्य आयोजन
- स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप की आंगिक संस्थाओं हेतु दीक्षांत समारोह आयोजित
- विश्वविद्यालय ने किया आमजन का प्रकृति परीक्षण
- सामूहिक ध्यान अभ्यास से विश्वविद्यालय बना विश्व ध्यान दिवस का केंद्र
- विश्वविद्यालय में शुरू होगा स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम

RAJBIL/2017/74087

कुलपति सन्देश ....

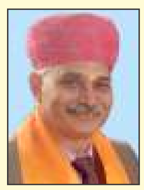

हम नववर्ष 2025 में प्रवेश कर चुके हैं। यदि विगत वर्ष 2024 में विश्वविद्यालय की यात्रा देखें तो वर्ष पर्यन्त आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं व्याख्यानों आदि सहशैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा नवीन आयाम स्थापित किये गये हैं। दिसम्बर 2024 में अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार **औषध मानकम्** के आयोजन से विश्वविद्यालय की छवि को चार चांद लगे हैं। इस सेमिनार की सफलता के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य ने जिस मनोयोग से योगदान दिया वह अति प्रशंसनीय है। विश्वविद्यालय परिवार द्वारा ऐसे आयोजनों में दिखाए गये उत्साह और स्वतः स्फूर्त ऊर्जा के प्रवाह से मैं गौरवान्वित हूँ।

गत वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा अनेक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गये, जिनके माध्यम से अधिकाधिक रोगियों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य का लाभ मिला। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन अभियान के इस 09 वें वर्ष में प्रतिमाह पुष्य नक्षत्र में लगाये गये स्वर्णप्राशन शिविरों के माध्यम से सूर्यनगरी एवं आस–पास के क्षेत्रों में बालकों को स्वास्थ्य संरक्षण एवं बौद्धिक सम्वर्द्धन का लाभ मिला है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा अनेक शैक्षणिक संस्थानों में जीवन–विज्ञान से सम्बन्धित ऋतुचर्या, दिनचर्या, नशा–मुक्ति, स्थौल्य आदि विषयों पर विद्वतापूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत कर जनसामान्य में जागरुकता हेतु प्रेरित किया गया। इसी प्रकार गत वर्ष भर न केवल भारत अपितु विदेशों से भी विद्वानों ने विश्वविद्यालय में प्रदान की जा रही आयुर्वेद चिकित्सा से जुड़ी सेवाओं के बारे में जानकारी ली एवं अपने विद्वतापूर्ण एवं अनुभवजन्य व्याख्यानों के माध्यम से विश्वविद्यालय के ज्ञान–प्रवाह को समृद्ध किया। इसी प्रकार अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस, अन्तरराष्ट्रीय होम्योपैथी दिवस, अन्तरराष्ट्रीय यूनानी दिवस, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, अन्तरराष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस, वर्ल्ड ओस्टियोपोरोसिस दिवस, नवम आयुर्वेद दिवस, संस्कार –2024 आदि अनेक कार्यक्रम विगत वर्ष में आयोजित किये गये। विश्व आयुर्वेद परिषद, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के साथ संयुक्त तत्त्वावधान में जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी संयोजनम्–2024 में विश्वविद्यालय के छात्रदल ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से पुरस्कृत होकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। विश्व ध्यान योग दिवस पर विश्वविद्यालय ने पुनः एक नवकीर्तिमान गढ़ा है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किये गये नवाचार देश का प्रकृति परीक्षण के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिवार द्वारा भी सक्रिय रूप से हज़ारों की संख्या में जनसामान्य का प्रकृति परीक्षण किया गया है।

इस प्रकार 2024 में वर्ष पर्यन्त विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य कर्मठ योगी की भांति लक्ष्यपूर्ति हेतु जुटे रहे और अपने दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम व अथक प्रयासों से इन लक्ष्यों की पूर्ति की है। मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि विश्वविद्यालय परिवार अपनी कर्मठता और दृढ़ संकल्पों के मानकों अनुरूप इस वर्ष भी विभिन्न शैक्षणिक, सह शैक्षणिक, अनुसंधान तथा चिकित्सकीय कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए विश्वविद्यालय की गरिमा को नयी ऊँचाईयों पर लेकर जाएगा।

पुनः आप सभी को नूतन वर्ष की मंगलकामनाएँ।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

घड़ाव में पोषण एवं एनीमिया अवेयरनेस कैंप का आयोजन

स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग द्वारा पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण सप्ताह मनाया गया। विभागाध्यक्ष कौमारभृत्य विभाग प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने बताया कि स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ग्राम घड़ाव में राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2024 के उपलक्ष्य में पोषण एवं एनीमिया अवेयरनेस कैंप का आयोजन दिनांक 1 अक्टूबर 2024 को किया गया जिसमें विद्यालय में उपस्थित सभी छात्र–छात्राओं को डॉ. अशोक कुमार यादव एवं डॉ. पूजा पारीक ने पोषण संबंधी एवं एनीमिया के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों के विषय में जानकारी दी। स्नातकोत्तर अध्येताओं डॉ. सुमन बिश्नोई, डॉ. कृष्णा और डॉ. संगीता कुमारी ने बच्चों को संतुलित आहार, विटामिन एवं उनकी कमी से होने वाले रोग, उनसे बचाव के लिए उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. नरेंद्र सिंह पुरोहित ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा छात्र छात्राओं को अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो न केवल जीवन बचाता है, बल्कि रक्तदाता को भी स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। एन.एस.एस सह प्रभारी डॉ. निकिता पंवार ने बताया कि आचार्य सुश्रुत ने कहा है कि प्राणी में जीवन की स्थिति रक्त से ही होती है। डॉ. निकिता ने

बीएएमएस के छात्र–छात्राओं को रक्तदान करने की शपथ भी दिलाई।

पंचकर्म विभाग में विश्व – अर्टिकेरिया (शीतपित्त) दिवस मनाया

विश्वविद्यालय में दिनांक 1 अक्टूबर 2024 को स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में विश्व अर्टिकेरिया दिवस का आयोजन किया गया। पंचकर्म विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास ने बताया कि आयुर्वेद चिकित्सा के अंतर्गत आचार्य योगरत्नाकर ने शीतपित्त की चिकित्सा में पटोल अरिष्टक सिद्ध जल से वमन कर्म करवाने के लिए बताया है। सहायक आचार्य डॉ. अचलाराम कुमावत ने बताया कि वमन के अयोग के कारण भी शीत पित व्याधि के लक्षण मिलते हैं, इसलिए रोगी को सावधानीपूर्वक मात्रा एवं युक्ति के आधार पर संशोधन करवाना चाहिए। डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित एव डॉ. शहादत खान ने शीतपित्त में उपयोगी आहार विहार और हरिद्रा, काली मरिच के सेवन के बारे में बताया।

विश्वविद्यालय में गांधी जयंती पर चलाया स्वच्छता अभियान

विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर दिनांक 2 अक्टूबर 2024 को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों ने परिसर के विभिन्न हिस्सों से कूड़ा कचरा हटाया, पौधों की देखभाल की और साफ सफाई का महत्व समझाया। इस अवसर पर एन.एस.एस इकाई के स्वयंसेवकों ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का नारा लगाते हुए परिसर के कोने–कोने में सफाई की। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद जोधपुर के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने स्वच्छता का संदेश दिया। छात्रों और स्वयंसेवकों ने इस अवसर पर स्वच्छता के महत्व पर जागरुकता फैलाने के लिए विभिन्न पोस्टर भी तैयार किए, जिसमें साफ–सफाई और पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए गए थे। विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र और कर्मचारी भी इस अभियान में शामिल हुए। इस अवसर पर रस शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल सहित आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग नैचुरोपैथी के प्राचार्य सहित सभी संकाय सदस्य, छात्र तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

पी.जी.आई.ए के स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 9 अक्टूबर 2024 को किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों सहित एम्स जोधपुर की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. नीता द्विवेदी ने वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ का महत्व और स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर अतिथि व्याख्यान में बताया कि कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता क्यों महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ कार्यस्थल न केवल कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाता है, बल्कि उनके समग्र जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार करता है।

कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने स्वास्थ्य के महत्त्व पर जोर दिया। स्वस्थवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने तनाव प्रबंधन के बारे में बताते हुए कहा कि तनाव प्रबंधन के लिए ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और संतुलित आहार का प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. ए. नीलिमा, डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ विष्णुदत्त शर्मा, डॉ. आशा केपी, डॉ. प्रवीण प्रजापत, डॉ. अनीता, डॉ. गौरीशंकर, डॉ. दिव्या शर्मा सहित स्नातकोत्तर एवं स्नातक अध्येता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे एवं विश्वविद्यालय में एमओयू पर हस्ताक्षर

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान संस्थान, पुणे एवं पीपल्स फाउंडेशन, गाजियाबाद के सहयोग से दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान पुणे एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय के मध्य एक एमओयू पर दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को हस्ताक्षर हुए, जिसका उद्देश्य दोनों की क्षमता निर्माण को मजबूत करना और उच्च गुणवत्ता वाली शोध गतिविधियों का संचालन करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे की निदेशक डॉ. के. सत्यलक्ष्मी, पीपल्स फाउंडेशन के प्रेसिडेंट श्री वीएन झा, कार्यवाहक कुलसचिव मंगलाराम बिश्नोई के आतिथ्य में हुआ। कुलपति ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि आज के समय में इन विधियों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। पीपल्स फाउंडेशन के प्रेसिडेंट श्री वीएन झा ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा और योग से न केवल व्यक्ति की शारीरिक बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे की निदेशक डॉ. के. सत्यालक्ष्मी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए योग और नैचुरोपैथी की वैज्ञानिक पद्धतियों और उनके लाभों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में इन पद्धतियों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।

कार्यक्रम के पहले दिन विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में डॉ. एकलव्य बोहरा ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा में शैक्षणिक चुनौतियां और अवसर, प्रो. (डॉ.) के. सत्य लक्ष्मी ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा के दर्शन और सिद्धांतों को समझने में बारीकियां विषय पर व्याख्यान दिये। दूसरे दिन संत हिरदाराम योग एवं नेचर केयर हॉस्पिटल, भोपाल के डॉ. गुलाब राय तिवारी ने योग एवं नेचुरोपैथी चिकित्सा में निजी प्रैक्टिस के लिए सहायक तंत्र, एम्स जोधपुर की आयुष चिकित्सक डॉ दीपा शुक्ला ने प्राकृतिक चिकित्सा में आंत के स्वास्थ्य पर जोर, डॉ. काजल गुप्ता, पीपल्स फाउंडेशन नई दिल्ली ने व्यावसायिक शिक्षा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अभ्यास में टीसीएस एक्युपंचर तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान संस्थान पुणे के डॉ. सात्विक ने ओजोन थेरेपी के साथ प्राकृतिक चिकित्सा को आगे बढ़ाना विषय पर उपयोगी अतिथि व्याख्यान दिए।

समापन समारोह में कुलपति ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षकों की क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी उपस्थित शिक्षकों से कहा कि वे इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाएं और अपने ज्ञान को लगातार अद्यतन करते रहें। प्राचार्य पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेद प्रो. महेन्द्र शर्मा ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने में इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण योगदान देंगे। रस शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पूर्व कुल सचिव प्रो. शुक्ल ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर उनके कौशल को उन्नत करना है ताकि वे छात्रों को आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा दे सकें। स्वास्थ्य कल्याण नेचुरोपैथी एवं योगिक साइंसेज प्रो. एकलव्य बोहरा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज की समुन्नति के लिए शिक्षकों के साथ–साथ छात्रों के लिए भी समय–समय पर करवाए जाने चाहिए। समापन समारोह के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा ने दो दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समापन समारोह की पूर्व संध्या पर योग नैचुरोपैथी महाविद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक

कार्यक्रम के अन्तर्गत मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। पीपल्स फाउंडेशन के श्री वी एन झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ संजय श्रीवास्तव ने मंच संचालन किया।

वर्ल्ड ऑस्टियोपोरोसिस डे पर व्याख्यान एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय में पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में वर्ल्ड ऑस्टियोपोरोसिस डे दिनांक 20 अक्टूबर 2024 को मनाया गया। इसका उद्देश्य ऑस्टियोपोरोसिस के प्रति जागरुकता बढ़ाना और इसके निदान, बचाव और उपचार के आयामों पर चर्चा करना था। सहायक प्रोफेसर डॉ. दिलीप व्यास ने बताया कि ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें हड्डियां कमजोर और भंगुर हो जाती हैं, जिससे फ्रैक्चर का जोखिम बढ़ जाता है। यह रोग सामान्यतया वृद्धावस्था में अधिक देखा जाता है, विशेषकर महिलाओं में मेनोपॉज के बाद। इसका मुख्य कारण शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी होना है, जिसके कारण हड्डियों का घनत्व (बोन डेंसिटी) घट जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस के निदान के लिए डेक्सा स्कैन (ड्यूल एनर्जी एक्स–रे एब्सॉर्पटियोमेट्री) का उपयोग किया जाता है, जिससे हड्डियों के घनत्व का माप किया जाता है। इससे बचाव के लिए संतुलित आहार जिसमें कैल्शियम और विटामिन डी प्रचुर मात्रा में हो, नियमित व्यायाम, धूप का सेवन, और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक है।

ग्राम घड़ाव में स्तन कैंसर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के चिकित्सकों की टीम द्वारा आँगनवाडी केन्द्र, (घड़ाव) में विश्व स्तन कैंसर जागरुकता कार्यक्रम दिनांक 22 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया। होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. आभा अग्रवाल सह आचार्य स्त्री एवं प्रसूति विभाग, डॉ. प्रियंका कपूर, सहायक आचार्य, पैथोलॉजी विभाग एवं डॉ. राकेश कुमार मीना, सहायक आचार्य, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के द्वारा जनसामान्य को स्तन कैन्सर के प्रति जागरुक किया गया। डॉ. आभा अग्रवाल ने बताया अक्टूबर माह को विश्व स्तन कैंसर जागरुकता माह के रूप में मनाते हैं। उन्होंने बताया कि पिंक रिबन स्तन कैंसर के सन्दर्भ में बहादुरी, भविष्य के प्रति आशावाद का प्रतीक है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज की भागीदारी आवश्यक है। डॉ. प्रियंका कपूर एवं डॉ. राकेश कुमार मीना ने महिलाओ को स्तन कैंसर के कारण एवं बचाव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रसव के बाद मोटापे, व्यायाम की कमी, बच्चों को स्तनपान न कराने, आज के समय महिलाओं में बढते शराब एवं धूम्रपान के सेवन से स्तन कैंसर होने की सम्भावना बढ जाती है एवं समय पर जाँच द्वारा पता चलने से स्तन कैंसर से पूरी तरह से बचाव संभव है।

धन्वन्तरि दिवस के उपलक्ष में वासा के 21 पौधों का किया रोपण

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के सामने द्रव्य गुण विज्ञान विभाग पीजीआईए जोधपुर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा औषधीय पादप वासा के 21 पौधों का रोपण दिनांक 23 अक्टूबर 2024 को किया गया।

इसमें पी.जी.आई.ए. जोधपुर के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं एनएसएस प्रभारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद पूर्विया, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज अदलखा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, डॉ. निकिता पंवार एवं एन.एस.एस के कार्यकर्ताओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। प्रो. चंदन सिंह ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान 28 अक्टूबर तक नवें अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस तक चलाया जाएगा जिसमें विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर अलग–अलग लगभग 200 औषधीय पेड़ पौधों का रोपण निरंतर 9 दिन तक किया जाएगा।

नौवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में स्कूली बच्चों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

नौवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार की थीम पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करवड़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि वितरण दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को किया गया। आयुर्वेद दिवस के नोडल अधिकारी डॉ ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि नवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में विश्वविद्यालय द्वारा 29 अक्टूबर तक बाल स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क चिकित्सा एवं नशा मुक्ति शिविर के साथ आमजन हेतु स्वास्थ्य जागरुकता व्याख्यान, सघन वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करवड़ में उपस्थित सभी छात्र–छात्राओं को असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार यादव द्वारा आयुर्वेद को अपने जीवन में अपनाने के प्रति जागरुक किया गया, साथ ही आयुष मंत्रालय व विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शहर के 12 केन्द्रों पर पुष्यनक्षत्र योग में स्वर्णप्राशन

बच्चों के सर्वांगीण स्वास्थ्य में स्वर्णप्राशन के लाभ और महत्त्व के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिये विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को पुष्यनक्षत्र में एम्स, जोधपुर की आयुष ओ.पी.डी. में, जालौरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्यामंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह, नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बालगृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय विक्टोरियन किड्स स्कूल एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य जागरुकता संवाद का आयोजन

विश्वविद्यालय में सप्ताह पर्यंत मनाए जा रहे नौवें आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रमों के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को पोलियो रोग पर विशेष स्वास्थ्य जागरुकता संवाद आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के समग्र स्वास्थ्य सिद्धांतों के साथ पोलियो उन्मूलन और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद न केवल एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, बल्कि यह एक जीवनशैली है जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन करती है। साथ ही पोलियो जैसी बीमारियों के खिलाफ हमारी जीत, समाज में स्वास्थ्य जागरुकता की सतत ज़रूरत को दर्शाती है। स्वस्थवृत्त एवं योग विभागाध्यक्ष व आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद और पोलियो उन्मूलन दोनों ही स्वास्थ्य शिक्षा पर निर्भर हैं। आयुर्वेद हमें स्वस्थ जीवन जीने की दिशा दिखाता है, जबकि पोलियो उन्मूलन यह साबित करता है कि सही जागरुकता और प्रयासों से असंभव भी संभव किया जा सकता है। इस संवाद में डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. हेमंत राजपुरोहित भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों के साथ पोलियो टीकाकरण, आहार और विहार, महिला स्वास्थ्य तथा रोगों की रोकथाम और प्राकृतिक उपचारों के महत्व पर गहन चर्चा की और छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति जागरुकता पर विशेष व्याख्यान

नौवें आयुर्वेद दिवस के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार की थीम के अंतर्गत अगदतंत्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ऋतु कपूर ने विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र– छात्राओं को नशा मुक्ति जागरुकता पर दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को एक विशेष व्याख्यान दिया। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और आयुर्वेदिक विधियों द्वारा जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित करना रहा। उन्होंने बताया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति की शारीरिक सेहत को प्रभावित करती है, बल्कि मानसिक और सामाजिक जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। आयुर्वेद में कई ऐसे औषधीय पौधे और उपचार विधियां हैं जो नशे की लत को दूर करने में सहायक हो सकते हैं।

विश्वविद्यालय में स्थौल्य विषय पर जागरुकता संवाद का आयोजन

विश्वविद्यालय में सप्ताह पर्यंत मनाए जा रहे नवें आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रमों के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को स्थौल्य रोग पर विशेष स्वास्थ्य जागरुकता संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद, जीवनशैली की गड़बडियों से होने वाली विभिन्न बीमारियों मोटापा, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह आदि की रोकथाम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही मोटापे से होने वाले अन्य रोगों के प्रति समाज में स्वास्थ्य जागरुकता की सतत जरूरत को भी रेखांकित किया। स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग के विभागाध्यक्ष व आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने कहा कि वजन के अप्रत्याशित बढने से निरंतर आमजन में अनेकानेक रोग होते जा रहे हैं जिनसे समाज का हर तबके का जीवन प्रभावित हो रहा है। आयुर्वेद की विभिन्न चिकित्सा विधियों से इन सब से निजात पाई जा सकती है।

इस संवाद में डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. पूजा शर्मा और डॉ. हेमंत राजपुरोहित, डॉ. ऋतुरा सहित स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक के अंतिम वर्ष के 37 छात्रों के दल ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फिरोज़ खान और सहायक प्रोफेसर डॉ. सुम्बुल के नेतृत्व में अक्टूबर 2024 के तृतीय सप्ताह में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ यूनानी मेडिसिन, गाजियाबाद, हमदर्द लैबोरेट्रीज, गाज़ियाबाद एवं अजमल खान तिब्बिया कॉलेज अलीगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्रों ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण पर यूनानी विधा के जो पुराने इलाज के तरीके चलते आ रहे हैं, उनको हमने आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स आधारित नए उपकरणों से

उपयोग होते हुए सीखा। यूनानी दवाओं पर हो रही रिसर्च को बहुत नजदीक से देखा और जाना कि किस तरह आज के दौर की नई बीमारियों के इलाज में यूनानी दवाएं एक अहम भूमिका अदा कर रही हैं।

शेखावाटी आयुर्वेद महाविद्यालय, पिलानी में कुलपति के मुख्यातिथ्य में आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम आयोजित

शेखावाटी आयुर्वेद महाविद्यालय, पिलानी में आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम के अवसर पर दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति मुख्य अतिथि थे। महाविद्यालय प्रबंध समिति के चेयरमैन डा. ओमप्रकाश शर्मा अध्यक्ष, डा. रामनुजन महर्षि एवं एडवोकेट हर्षवद्धर्न शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलपति ने आयुर्वेद को जीवन से जोड़ते हुए प्रतिभागियों को आयुर्वेद में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी तथा आयुर्वेद को विश्व की सबसे उपयोगी रोगोपचार पद्धति बताया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ऋतुराज शर्मा ने कार्यक्रम के आयोजन पर चर्चा करते हुए महाविद्यालय से जुड़ी जानकारी दी। अतिथियों ने महाविद्यालय में नवनिर्मित त्वचा रोगोपचार केन्द्र का लोकार्पण किया। इस मौके पर छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रोचक प्रस्तुति दी।

आयुर्वेद एवं होम्योपैथी द्वारा चिकित्सा शिविर में 66 रोगी लाभान्वित

विश्वविद्यालय में सप्ताह पर्यंत मनाये जा रहे नवें आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रमों के अंतर्गत नाग तालाब आर्मी एवियेशन बेस में दिनांक 26 अक्टूबर 2024 को आयोजित दीपावली कार्निवाल महोत्सव में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें होम्योपैथी विशेषज्ञों डॉ. यशस्वी शाकद्वीपीय सह आचार्य, डॉ. राजेश कुमार कुमावत सह आचार्य एवं आयुर्वेद विशेषज्ञों डॉ. सुमन विश्नोई तथा डॉ. शहादत खान द्वारा सेवाएं दी गई। इस शिविर में 66 रोगियों को औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियाँ, खांसी, बुखार, गले में खराश एवं दर्द, अस्थमा, उच्च रक्तचाप, चर्म रोग, रक्त की कमी, बालों का गिरना तथा महिलाओं से सम्बन्धित बीमारियों की जानकारी एवं चिकित्सा दी गई।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया नवम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

विश्वविद्यालय में नवम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में भगवान धन्वंतरि जयंती कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के नेतृत्व में 29 अक्टूबर 2024 को हर्षोल्लास के साथ मनायी गई। सर्वप्रथम पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद महाविद्यालय में कुलपति, संकाय सदस्य, कर्मचारी, और छात्र–छात्राओं ने भगवान धन्वंतरि की पूजा–अर्चना में भाग लिया इसके उपरांत विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में पूजन हुआ। मुख्य कार्यक्रम के अन्तर्गत संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में भव्य हवन यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें कुलपति सहित संकाय सदस्य, छात्र–छात्राओं, और कर्मचारियों ने विश्व के कल्याण और स्वास्थ्य की कामना की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने सभी को धन्वन्तरि दिवस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, और भाई दूज की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कुलपति ने कहा कि यह दिन आयुर्वेद की प्राचीन विधाओं के प्रति हमारे आभार और विश्वास को दर्शाता है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बनाए रखने का एक अभिन्न साधन है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का ऑनलाइन उद्‌बोधन भी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसे संकाय सदस्य, छात्र–छात्राएं, और संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय के रोगियों ने पूरे उत्साह से सुना।

कार्यक्रम में पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर में मोटापा यूनिट का भी उद्‌घाटन किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय की अक्टूबर माह 2024 की समाचारिका का कुलपति ने विमोचन किया ।

कार्यक्रम में पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व कुलसचिव एवं रसशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजाराम अग्रवाल, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, होम्योपैथी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गौरव नागर, बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग के प्राचार्य दिनेश कुमार राय सहित सभी विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टॉफ, कर्मचारी, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलपति उल्लेखनीय उपलब्धियों हेतु सम्मानित

दिनांक 9 नवंबर 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, गोयल आयुर्वेद महाविद्यालय लखनऊ में बीएएमएस प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्र –छात्राओंके लिए आयोजित इंडक्शन कार्यकम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुए आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें भविष्य में सफलता के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को न केवल आयुर्वेद के महत्व को समझाया, बल्कि इसके अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उत्साहित भी किया। इस अवसर पर आयुष समृद्धि आईआरईएस की ओर से उनके प्रतिनिधियों ने कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रजापति को उनके द्वारा आयुर्वेद के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया।

प्रदर्शनी जागृति–द फ्यूजन ऑफ आर्ट एंड साइंस का आयोजन

दिनांक 10 नवंबर 2024 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के आनंदम् कोर्स एव विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्त्वावधान में विज्ञान संकाय के ऑडिटोरियम में सोमवार को प्रदर्शनी जागृति–द फ्यूजन ऑफ आर्ट एंड साइंस का आयोजन जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया। आनंदम् कोर्स संयोजिका प्रो. ऋतु जौहरी ने बताया कि इसमें प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी शामिल हुए। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने नवीन शिक्षा नीति के लिए आयोजित आमुखीकरण कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि आनंदम् कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में आनंदम् कोर्स की कमेटी से जुड़े हितेंद्र गोयल, क्षितिज महर्षि, ओमप्रकाश टाक, जया भंडारी और संगीत विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ स्वाति शर्मा भी मौजूद रही ।

आयुर्वेद शिक्षा प्रशिक्षण व अनुसंधान पर गोष्ठी

दिनांक 11 नवंबर 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने चंद्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान, कोइलहा, कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश में आयोजित आयुर्वेद में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान में आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकी की भूमिका विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस संगोष्ठी का उद्देश्य आयुर्वेदिक शिक्षा और अनुसंधान को आधुनिक तकनीकी के साथ जोड़ना और उसमें नए उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देना था।

प्रो. प्रजापति ने इस अवसर पर आयोजित अपने विशेष व्याख्यान में आधुनिक तकनीकी के माध्यम से आयुर्वेद के विकास की संभावनाओं पर अपने विचार साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार इनका उपयोग आयुर्वेदिक शिक्षा और अनुसंधान में किया जा सकता है। संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्रों को स्मारिका में भी प्रकाशित किया जाएगा, जो कि शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए शोध कार्यों के लिए अत्यन्त उपयोगी साबित होगा।

रोग से शीघ्र मुक्ति के लिए अग्निकर्म एवं विद्धकर्म का विशेष महत्व

दिनांक 13 नवंबर 2024 को स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा पीजीआईए के सेमिनार हॉल में अग्निकर्म एवं विद्धकर्म विषय पर ख्यातिप्राप्त अग्निकर्म एवं विद्धकर्म विशेषज्ञ महाराष्ट्र के वैद्य पंकज प्रदीप तिवारी के अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। शल्य तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वर्तमान समय में रोग से शीघ्र मुक्ति हेतु अग्निकर्म एवं विद्धकर्म का विशेष महत्व है। जिन रोगों को ठीक होने में औषध के प्रयोग से अधिक समय लगता है। ऐसे कई रोगों में अग्निकर्म एवं विद्धकर्म से तुरंत राहत मिलती है। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा द्वारा वैद्य पंकज प्रदीप तिवारी को साफा, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर शल्य तंत्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, डॉ. प्रेम कुमार डॉ. राजीव सोनी, डॉ. आशा केपी, डॉ. अचलाराम उपस्थित रहे।

जापान से आये हुए अतिथियों ने किया पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर का भ्रमण

दिनांक 13 नवंबर 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने जापान से पधारे अतिथियों एवं कल्टीवेटर फाईटो लैब लि. जोधपुर के निदेशक तरुण प्रजापति ने दिसंबर–2024 में आयोजित होने जा रहे इंटरनेशनल सेमिनार औषध मानकम–24 के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर जापानी प्रतिनिधियों के दल ने पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस जोधपुर का भी अवलोकन किया। पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के प्रभारी एवं पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ ज्ञानप्रकाश शर्मा ने सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस में होने वाली पंचकर्म प्रक्रियाओं जैसे शिरोधारा, कटि बस्ति, जानुधारा, वाष्प स्वेदन, सोनाबाथ स्वेदन एवं अवगाह स्वेदन विधाओं की रोगियों पर प्रैक्टिकल एप्रोच के साथ जानकारी दी। साथ ही सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की विजिटर गैलरी तथा एक्सीलेंसी के सम्पूर्ण पुरुष एवं स्त्री थैरेपी पंचकर्म कक्ष की विजिट करवायी। इस अवसर पर रसशास्त्र विभागाध्यक्ष एवं पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, पंचकर्म विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित, पी. जी. अध्येता एवं पंचकर्म थेरेपिस्ट उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित आयुर्वेद पीजी छात्रों हेतु संस्कार–2024 ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रजापति ने दिनांक 13 नवम्बर 2024 को व्यक्तित्व व कौशल विकास और समर्पण भाव के साथ आयुर्वेद शिक्षा में निपुणता हासिल करने के लिए एनसीआईएसएम के दिशानिर्देशों के अनुसार पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में नव प्रवेशित एम.डी., एम.एस. (आयुर्वेद) प्रथम वर्ष बैच 2024–25 के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम संस्कार–2024 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने नए छात्र–छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें अपने प्रोफेशनल करियर की नई और कड़ी शुरूआत हेतु मनोयोग से सन्नद्ध होने हेतु प्रेरित किया। इस आयोजन के संदर्भ उन्होंने बताया कि यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम भारतीय चिकित्सा द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न पृष्ठभूमियों और क्षेत्रों से आए छात्रों को एक मंच पर लाकर उन्हें स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान छात्रों के विकास के व्यापक दृष्टिकोण से सम्बन्धित जीवन कौशल, व्यक्तित्व विकास, कंप्यूटर और ई–प्रबंधन कौशल, संचार और प्रस्तुति कौशल जैसे विषयों पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाएंगे। इसके अतिरिक्त, जर्नल क्लब, नैदानिक केस प्रस्तुतियाँ और विशिष्ट क्षेत्रीय कौशल को भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। इस ओरिएंटेशन में 90 घंटे के तीन क्रेडिट सामान्य विषय और 30 घंटे के एक क्रेडिट का विशिष्ट अभिविन्यास भाग शामिल किया गया है, जो छात्रों को एक कुशल और पूर्ण विशेषज्ञ के रूप में विकसित करने हेतु निर्धारित है। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ राकेश कुमार शर्मा, सह समन्वयक डॉ. सौरभ अग्रवाल एवं नवप्रवेशित स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

विश्व मधुमेह विश्व दिवस के अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में सेमिनार का आयोजन

दिनांक 14 नवंबर 2024 को यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक में मानव संसाधन विकास केंद्र यूनिट द्वारा "मैनेजमेंट आफ जियाबितुस सकरी (डायबिटीज मेलिटस) थ्रू युनानी मेडिसिन इन प्रेजेंट सिनारियो" के विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर सैय्यद शफीक अहमद नकवी प्राचार्य राजपूताना युनानी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर जयपुर रहे। इस अवसर पर डॉ. अनीसुर रहमान, एसोसिएट प्रोफेसर, इलमुल

अदविया एवं डॉक्टर सरफराज अहमद, एसोसिएट प्रोफेसर मोआलेजात ने व्याख्यान दिया।

नेशनल आयुर्वेद यूथ कान्क्लेव संयोजनम्–2024 का दिनांक 15–17 नवम्बर 2024 तक भव्य आयोजन

विश्व आयुर्वेद परिषद, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 15 से 17 नवंबर 2024 तक आयोजित संयोजनम्–2024 का शुभारंभ ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के मुख्य आतिथ्य एवं जयपुर की सांसद मंजू शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा कि आयुर्वेद न केवल चिकित्सा विज्ञान बल्कि सम्पूर्ण जीवन विज्ञान है, जो सदियों से स्वस्थ व दीर्घायु जीवन का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आयुर्वेद पूर्ण प्रामाणिक, सुलभ, दुष्प्रभाव रहित चिकित्सा पद्धति है। सम्पूर्ण विश्व आज आयुर्वेद की और आकर्षित हो रहा है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने कहा कि देश के स्वास्थ्य में आयुर्वेद की महती भूमिका है। आयुर्वेद त्रिदोष एवं नाड़ी विज्ञान पर आधारित प्राचीन, प्रामाणिक, सस्ता, दुष्प्रभाव रहित चिकित्सा विज्ञान है एवं स्वास्थ्य संरक्षण से लेकर शारीरिक एवं मानसिक रोगों के उपचार में, संचारी और गैर संचारी रोगों की चिकित्सा में प्रभावी और उपयोगी सिद्ध हो रहा है। कोविड काल में आयुर्वेद की उपयोगिता और महत्व को सम्पूर्ण विश्व ने देखा, इसलिए आज भारत ही नहीं विश्व भर के लाग आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि ऐसे आयोजन से न केवल देश भर में आयुर्वेद के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की जानकारी मिलेगी, अपितु देश भर से आने वाले ख्यातनाम विद्वानों के व्याख्यानों और हैन्ड्स् आन ट्रेनिंग से नवीनतम ज्ञान सीखने को मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने सभी अतिथियों, सहभागियों, सहयोगियों और मीडिया के सभी बंधुओं का उनकी उपस्थिति और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान चरक संहिता के श्लोकों के संगीतमय गायन का विश्व रिकॉर्ड भी बना। आयोजन सचिव स्नातकोत्तर क्रिया शरीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सीआर यादव ने कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर के तीन हजार आयुर्वेद मनीषी, आयुर्वेद अध्येता, शोधकर्ता, चिकित्सक एवं औषध निर्माता शामिल हुए।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में नए बीयूएमएस बैच छात्रों हेतु इन्डक्शन कार्यक्रम आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक में दिनांक 18 नवंबर 2024 से 2024–25 बैच में प्रवेशित बीयूएमएस के स्नातक छात्रों के लिए 15 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के दिशा निर्देशानुसार आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद इरशाद खान ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें संवेदनशील इंसान बनने और अपने मरीजों के प्रति सहानुभूति रखने की सलाह दी, क्योंकि अच्छे इंसान ही अच्छे डॉक्टर और अच्छे विशेषज्ञ बनते हैं। कार्यक्रम के दौरान उप प्राचार्य डॉ. नाजिया शमशाद, डॉक्टर सरफराज अहमद, डॉ फिरोज खान, डॉ. अनीसुर रहमान एवं मुफ्ती मोहम्मद आदिल खान,

डॉ. अब्दुल मुजीब खान सहित अन्य संकाय सदस्यों ने भी छात्रों को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सीएचआरडी निदेशक एवं यूनानी मेडिकल कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कहा हर नया छात्र एक 'हीरे' की तरह होता है, लेकिन उसे अपने शिक्षकों द्वारा तराशने की जरूरत होती है, ताकि वह अपने मरीजों और साथियों के सामने अपनी योग्यता साबित कर सके।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 19 नवंबर 2024 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर में नवागन्तुक बीएचएमएस–24 के छात्र–छात्राओं हेतु राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) के निर्देशानुसार आयोजित इन्डक्शन कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र तातेड़ ने कार्डियो पल्मोनरी रिससीटेशन (सीपीआर) विधा का अभ्यास करवाया। डॉ. तातेड़ ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में सीपीआर की महत्ता बताई। उन्होंने हृदयाघात, विद्युत आघात, पानी में डूबे हुए व्यक्ति, श्वास नली में भोजन फंस जाने जैसे स्थिति में रोगी पर प्राथमिक उपचार के रूप में सीपीआर तकनीक का वास्तविक प्रदर्शन कृत्रिम मानव डमी पर बताया। डॉ. तातेड़ ने बताया कि इस तकनीक के लिए व्यक्ति का चिकित्सा विज्ञान से जुड़ा होना आवश्यक नहीं है। इसे सामान्य व्यक्ति भी समुचित अभ्यास से सीख सकता है। इस अवसर पर नवागन्तुक छात्र–छात्राओं की सीपीआर प्रशिक्षण से सम्बन्धित प्रश्नों व गलत धारणाओं का समाधान भी किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर ने कार्यक्रम के समापन पर डॉ. राजेन्द्र तातेड का धन्यवाद ज्ञापन किया।

विश्वविद्यालय में मनाया अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

दिनांक 19 नवंबर 2024 को यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज़, जोधपुर में सातवां अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरुकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। उन्होंने रंगोली के माध्यम से प्राकृतिक चिकित्सा की विधाओं को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज महाविद्यालय, भोपाल की रिसर्च ऑफिसर डॉ. करिश्मा साहीवाल ने स्कोप ऑफ नैचुरोपैथी विषय पर छात्र छात्राओं को ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया। इस दौरान नेचुरोपैथी फूड एक्सपो में विभिन्न पोषक आहार की स्टॉल्स लगाई गईं। कुलपति ने वर्तमान एवं भविष्य में प्राकृतिक चिकित्सा के स्वास्थ्य संरक्षण में योगदान के बारे में छात्र–छात्राओं को जागरुक किया। इस अवसर पर पूर्व कुलसचिव एवं विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, उपकुलसचिव प्रो. मनोज अदलखा, डॉ. विजयपाल त्यागी, डॉ. गौरव नागर आदि उपस्थित रहे। डॉ. चंद्रभान शर्मा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. धन्या उषा मधु कुमार, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ मार्कण्डेय बारहठ, डॉ. अजीत सिंह चारण, सतीश ठाकुर उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने 21 एंटीडायबिटीज ड्रग से तैयार किया मधुमेहारि योग

विश्वविद्यालय में मधुमेह (डायबिटीज) रोगियों के उपचार के लिए विश्वविद्यालय रसायन शाला में शोध आधारित एक महत्त्वपूर्ण औषधि मधुमेहारि योग (चूर्ण) तैयार किया गया है। इस चूर्ण का यहां ओपीडी में आने वाले 500 मरीजों पर इसका सफल परीक्षण किया गया है। दावा है कि अगर किसी मरीज का एचबीए–1सी (ग्लाइसाइटेड हीमोग्लोबिन) का पैमाना आठ तक है तो ऐसे मरीज़ों पर यह चूर्ण बहुत जल्दी असर करता है। तीन महीनों में मरीजों का

एचबीए–1सी का पैमाना छः तक आ जाता है। साथ ही, इसके साथ मरीज को अपनी दैनिक जीवनचर्या में कुछ बदलाव लाने होते हैं, जिससे इस में जल्दी लाभ मिलता है। विश्वविद्यालय की रसायन शाला में इक्कीस एंटी डायबिटिक ड्रग को मिलाकर मधुमेहारि योग चूर्ण तैयार किया गया है। रसायनशाला निदेशक डॉ. विजयाल त्यागी ने बताया कि इसे खाली पेट सुबह और शाम तीन–तीन ग्राम लेना होता है। 90 से 120 दिन तक लगातार लेने पर मरीज सामान्य हो जाता है। अब यह चूर्ण मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

विश्व पाइल्स दिवस का आयोजन किया गया

स्नातकोत्तर शल्यतंत्र विभाग द्वारा विश्व पाइल्स दिवस के अवसर पर दिनांक 20 नवंबर 2024 को पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि भारत में पाइल्स के रोगियों की संख्या लगभग चार करोड़ है तथा खराब जीवनशैली के कारण यह संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से 1 करोड़ तक बढ़ रही है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, नींद की कमी, वेस्टर्न टॉयलेट का प्रयोग, टॉयलेट करते समय मोबाइल का प्रयोग, लगातार एक ही स्थिति में बैठे रहना, फास्ट फूड का अधिक प्रयोग, अधिक तेल, मिर्च मसाले युक्त भोजन का सेवन, नशे की लत तथा लगातार कब्ज रहने के कारण यह रोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है। यदि फाइबर युक्त आहार, हरी पत्तेदार सब्जियां, फल और तरल पदार्थों छाछ आदि का सेवन किया जाए और चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवा ली जाए तो 90 प्रतिशत रोगी बिना सर्जरी के ठीक हो सकते हैं। केवल 10 प्रतिशत रोगियों को क्षार सूत्र चिकित्सा की आवश्यकता होती है। क्षार सूत्र के प्रयोग से रोगी को एक सप्ताह में बवासीर से राहत मिल जाती है और दोबारा होने की संभावना भी नगण्य हो जाती है। इस अवसर पर विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, डॉ. प्रेम कुमार सहित सभी स्नातकोत्तर छात्र मौजूद थे।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अन्तर्गत सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत किया गया वृक्षारोपण

दिनांक 21 नवंबर 2024 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज, जोधपुर में प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के परिप्रेक्ष में सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति सहित संकाय सदस्यों, छात्रों ने नीम के सात पौधों का महाविद्यालय परिसर में रोपण किया। इसके अतिरिक्त अनेक रचनात्मक एवं बुद्धिवर्द्धक कार्यक्रमों में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं तार्किक क्षमता बढ़ती है।

कार्यक्रमों के निर्णायक की भूमिका में डॉ. राकेश कुमार शर्मा, प्रो. देवेंद्र चाहर, प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, प्रो. हरीश कुमार सिंघल, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. संगीता चाहर, डॉ. मोनिका वर्मा, डॉ. भानु प्रिया चौधरी, डॉ. आयुषी भास्कर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की डॉ. धन्या उषा

मधु कुमार, डॉ. मार्कण्डेय बारहठ, डॉ. अजीत सिंह चारण, सतीश ठाकुर ने किया।

कार्यकमों की श्रृंखला में ही पावटा स्थित ज़ी किड्स सैकंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए डॉ. अजीत सिंह चारण, असिस्टेंट प्रोफेसर द्वारा विद्यार्थियों को स्मरण शक्ति बढ़ाने, एकाग्रता लाने एवं शारीरिक विकास हेतु एक्यूप्रेशर बिंदुओं, वर्ण चिकत्सा, विभिन्न मुद्राओं, आसन प्राणायाम के बारे में व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशक इला शर्मा, महाविद्यालय के दीपशिखा मिश्रा, हर्षल कंवर, हर्षित रांकावत, प्रदीप सारण आदि उपस्थित थे। कार्यक्रमों के अन्तर्गत ही प्राकृतिक चिकित्सा जागरुकता रैली का विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार से कुलपति प्रो. प्रजापति ने शुभारंभ किया। रैली प्रशासनिक खंड से होते हुए नेचुरोपैथी एवं यौगिक साइंसेज महाविद्यालय के सामने समाप्त हुई।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय के बीएएमएस की छात्रा मनीषा कुमारी को मिली 25 हजार रुपए की छात्रवृत्ति

दिनांक 23 नवंबर 2024 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की बीएएमएस की छात्रा मनीषा कुमारी का मोहता चिकित्सालय ट्रस्ट बीकानेर की ओर से छात्रवृत्ति के लिए चयन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मोहता चिकित्सालय ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा एवं औषधि निर्माण के साथ साथ आयुर्वेद शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाना है। इसी क्रम में ट्रस्ट द्वारा योग्य एवं मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत आयुर्वेद महाविद्यालय की बीएएमएस की छात्रा मनीषा कुमारी का चयन हुआ। इसे हेतु 25000 रुपए का चेक छात्रा को प्रदान किया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट द्वारा सभी बीएएमएस छात्र छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की गई। प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा ने इस नवाचार के आरंभ करने पर ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया।

सैन्यकर्मियों को आयुर्वेदीय माइंडफुलनेस एंड ब्रीदिंग टेक्निक्स के प्रति जागरुक किया

दिनांक 26 नवंबर 2024 को पंचकर्म विभाग विभागाध्यक्ष और पंचकर्म सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने कोणार्क आर्मी सभागार में आयुर्वेदीय माइंडफूलनेस एंड ब्रीदिंग टेक्निक्स पर अतिथि व्याख्यान दिया। डॉ. शर्मा ने माइंडफुलनेस से किया गया ध्यान मन को केंद्रित करने, शांत रहने और तनाव को बेहतर ढंग से संभालने में मदद करता है। उन्होंने श्वास तकनीक का अभ्यास करना भी सिखाया। यह अभ्यास प्राचीन परंपराओं अभ्यास से आता है और अब विज्ञान द्वारा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सिद्ध किया गया है। इस अवसर पर कोणार्क आर्मी सभागार में सेना कमांडेंट एवं अन्य अधिकारियों, सैन्यकर्मियों के परिवार उपस्थित रहे।

पारंपरिक चिकित्सा पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

दिनांक 27 नवंबर 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में फार्माकोपिया कमीशन फॉर इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी (पीसीआईएम एंड एच)

गाजियाबाद में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत और फिलीपींस के पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में आपसी सहयोग और ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। समापन समारोह की अध्यक्षता पीसीआईएम एंड एच गाजियाबाद के निदेशक डॉ. रमन मोहन सिंह ने की। प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की प्रासंगिकता और वैश्विक स्तर पर उनकी बढ़ती स्वीकार्यता पर चर्चा की। उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयुर्वेद और होम्योपैथी के क्षेत्र में गुणवत्ता और मानकीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को इन विधाओं में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और परीक्षण प्रक्रिया अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाओं के मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण, और परीक्षण प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में विशेषज्ञों ने फार्माकोपियल मानकों और विधियों पर व्याख्यान दिए। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

शिकारगढ़ स्थित 59 रेजिमेंट आर्मी में महिलाओं के लिए 7 दिवसीय ध्यान योग शिविर शुरु

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज, जोधपुर द्वारा 59 रेजीमेंट आर्मी शिकारगढ़ जोधपुर में महिलाओं के लिए 7 दिवसीय निःशुल्क ध्यान योग शिविर का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि दिनांक 28 नवंबर से 5 दिसंबर 2024 तक आयोजित होने वाले इस विशेष ध्यान शिविर में उपस्थित महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं मानसिक तनाव के समुचित प्रबंधन के लिए विभिन्न यौगिक क्रियाओं के अभ्यास के साथ–साथ ध्यान का नियमित अभ्यास करवाया गया। ध्यान योग शिविर में डॉ चंद्रभान शर्मा के निर्देशन में डॉ. धन्या उषा मधु कुमार एवं डॉ. अजीत सिंह चारण ने अपनी सेवाएं दी।

पुलिस लाइन, जोधपुर में डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा का अतिथि व्याख्यान

पंचकर्म विभागाध्यक्ष और पंचकर्म सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने दिनांक 30 नवम्बर 2024 को सरदार पटेल सभागार में आयोजित **आयुर्वेदीय माइंडफुलनेस एंड ब्रीदिंग टेक्निक्स** विषय पर अतिथि व्याख्यान में बताया कि माइंडफुलनेस से ध्यान केंद्रित करने शांत रहने और तनाव को बेहतर ढंग से संभालने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास प्राचीन परंपराओं से चला आ रहा है और अब विज्ञान द्वारा भी मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सिद्ध हुआ है कि गहरी सांस लेने या ध्यान जैसी सरल गतिविधियों के माध्यम से माइंडफुलनेस का अभ्यास करके आप ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण महसूस कर सकते हैं। सत्र के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री राजेंद्र सिंह, उपायुक्त श्री आलोक श्रीवास्तव, श्री राजर्षि वर्मा एवं समस्त पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य कल्याण की आंगिक संस्थाओं हेतु दीक्षांत समारोह आयोजित

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर और स्वास्थ्य कल्याण इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज का दिनांक 30 नवम्बर 2024 को दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं अन्य अतिथियों ने 295 स्टूडेंट को स्नातक और 17 स्टूडेंट को स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान कीं। कुल 302 स्टूडेंट्स को डिग्री और मेडल प्रदान किए गए। सीतापुरा जयपुर स्थित स्वास्थ्य कल्याण कैंपस में आयोजित समारोह में डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने चिकित्सा पद्धतियों के प्रोत्साहन के लिए चेयरमैन डॉ. एस एस अग्रवाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इलाज से पहले और बाद में भी व्यक्ति को स्वस्थ रखने में योग का अहम रोल होता है। समारोह के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि स्वास्थ्य कल्याण योग व प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेज और होम्योपैथी कॉलेज अध्यापन के मापदंडों पर खरे रहकर सराहनीय काम कर रहे हैं।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस औषध मानकम–24 का भव्य आयोजन

विश्वविद्यालय, आयुष मंत्रालय–भारत सरकार, कल्टीवेटर प्राइवेट लिमिटेड संस्था, जोधपुर एवं जापान की लक्ष्मी संस्था के संयुक्त तत्त्वावधान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस औषधमानकम–2024 का भव्य आयोजन दिनांक 5 से 7 दिसम्बर 2024 तक विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। इस प्रतिष्ठित आयोजन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राजस्थान के माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागड़े ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस.एस. सावरीकर, एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ एस.एस. अग्रवाल और एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान विवि के कुलपति प्रो संजीव शर्मा ने भी इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में शिरकत की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित होम्योपैथिक महाविद्यालय का लोकार्पण किया। साथ ही विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुष को भी लांच किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन धरोहर है, जिसे आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर खरा उतारना आज की आवश्यकता है। औषध मानकीकरण के बिना आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का व्यापक प्रचार–प्रसार संभव नहीं है। यह कॉन्फ्रेंस आयुर्वेद की औषधियों को वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक औषध का युगानुरूप सन्दर्भ में मानकीकरण होना चाहिए व उसकी ग्रेडिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर गांव हर शहर में आयुर्वेद औषधि निर्माण के लिए उत्कृष्ट कोटि का रॉ मटेरियल मिल जाता है जो औषध निर्माण में उपयोगी है। उसकी पहचान करने की आवश्यकता है। आयुर्वेद निरापद चिकित्सा पद्धति है। तुलसी, नीम आदि के पत्तों का सेवन रोग प्रतिकार शक्ति के रूप में प्रयोग में लिया जाता है। अतः विश्वविद्यालय परिसर में अधिक से अधिक औषधि पादपों का रोपण किया जाना चाहिए जिससे आयुर्वेद में अध्ययन करने वाले छात्र ज्ञान अर्जन कर उसकी उपयोगिता को समझकर प्रयोग में ला सकें। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि हमारे जीवन के हर पहलू को संतुलित करने वाला विज्ञान है।

उन्होंने आयुर्वेदिक औषधियों के मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल देश में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आयुर्वेद की स्वीकार्यता बढ़ेगी।

विशिष्ट पूर्व कुलपति प्रो. बीएल गौड, एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ एसएस अग्रवाल, जामनगर के पूर्व कुलपति डॉ एस एस सावरीकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस सम्मेलन में भारत सहित 8 देशों के लगभग 500 विशेषज्ञों ने भाग लिया।

भारत के 13 राज्यों से आए प्रतिनिधियों द्वारा आयुर्वेद औषधियों के मानकीकरण और वैज्ञानिक अनुसंधान पर 260 शोधपत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल एवं उपाध्यक्ष प्रो चंदन सिंह ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सामंजस्य स्थापित करना है।

कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल ने सभी मंचासीन अतिथियों, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, प्रशासनिक अधिकारियों, देश–विदेश से आए हुए प्रतिभागियों, रिसोर्स पर्सन, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों एवं मीडिया कर्मियों का आभार जताया।

कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह में मुख्य अतिथि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सीबी झा ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेदिक औषधियों के मानकीकरण के लिए यह कॉन्फ्रेंस उपयोगी साबित होगी।

इससे न केवल आयुर्वेद को वैश्विक पहचान मिलेगी, बल्कि आधुनिक चिकित्सा प्रणाली में इसका प्रभावी उपयोग संभव होगा। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि औषधमानकम–2024 ने आयुर्वेदिक औषधियों के मानकीकरण के क्षेत्र में शोध व नवाचार को बढ़ावा देने का कार्य किया है।

समापन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. रबिनारायण आचार्य, महानिदेशक, सीसीआरएएस नई दिल्ली ने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण और मानकीकरण आयुर्वेदिक चिकित्सा के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यह कॉन्फ्रेंस इस दिशा में एक मजबूत पहल है। भारत सरकार, राज्य सरकार, विश्वविद्यालय इन सभी को साथ मिलकर औषध के मानकीकरण की चुनौतियों एवं समाधान पर कार्य करने की आवश्यकता है।

अर्जेंटीना के डॉ. जॉर्ज लुइस बेड़ा ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के वैश्विक महत्व पर जोर देते हुए कहा, आयुर्वेदिक औषधियों में छिपी संभावनाएं न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए उपयोगी हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मदन मोहन मालवीय आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर के प्राचार्य प्रो महेश दीक्षित, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. डी सी सिंह, अमेरिका के डॉ. रघुनंदन शर्मा ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

कॉन्फ्रेंस की आयोजन सचिव डॉ. मनीषा गोयल ने कॉन्फ्रेंस में हुई गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कॉन्फ्रेंस के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा अर्जेंटीना के Fundación de Salud Ayurveda Prema, सीपी कैंसर फाउंडेशन देहरादून एवं श्री सांवरलाल ऑस्टियोपैथिक चैरिटेबल ट्रस्ट के बीच में तीन एमओयू हस्ताक्षरित हुए। साथ ही विश्वविद्यालय एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्था के संयुक्त तत्त्वावधान में फाउंडेशन कोर्स भी लांच किया गया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित 11 पुस्तकों का विमोचन भी इस अवसर पर हुआ।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में सिंपोजियम का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी टोंक में दिनांक 07 दिसम्बर 2024 को माहियातुल अमराज(पैथोलॉजी) विभाग में छात्रों के लिए लाइफस्टाइल डिसऑर्डर्स– पैथोजेनेसिस, कंट्रोल एंड प्रिवेंशन बाय यूनानी मेडिसिन विषय पर एक सिंपोजियम आयोजित किया गया। माहियातुल अमराज विभागाध्यक्ष डॉ. हिना जफर ने बताया कि इस सिंपोजियम का मकसद छात्रों को विस्तृत जानकारी देना और ज़्यादा से ज़्यादा ज्ञान का आदान–प्रदान करना था। इसमें द्वितीय वर्ष के छात्रों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया एवं पीपीटी के जरिए

समझाया कि यूनानी मेडिसिन के सिद्धांतों का इस्तेमाल करके हम किस तरह से मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स जैसे डायबिटीज, हाइपरटेंशन, हार्ट डिजीज इत्यादि से बच सकते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ मो. इरशाद खान ने बताया कि इस संगोष्ठी से छात्रों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ावा मिला है और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच मिला है। इस अवसर पर छात्रों मोहम्मद अनस, शबनम, आयशा रहमानी, समीन, रूबी चौधरी, वलीद, हाजरा, अमानुल इस्लाम उमरा, आलिया इत्यादि ने विभिन्न विषयों प्रजेंटेशन दिया। संचालन माहियातुल अमराज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. साएमा नसीम ने किया। इस अवसर पर अनेक संकाय सदस्य उपस्थित थे।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के विद्यार्थियों हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी, केकड़ी में दिनांक 13 दिसम्बर 2024 को मानव संसाधन विकास केंद्र यूनिट द्वारा 'एक दिवसीय सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैंप' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर निदेशक, मानव संसाधन विकास केंद्र डॉ राकेश कुमार शर्मा ने आज के समाज में आत्मरक्षा का महत्व एवं छात्राओं के लिए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मारुति मार्शल आर्ट एकेडमी, केकड़ी के प्रशिक्षक निलेश नामा द्वारा छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया। शिविर में कराटे, वूशू, ताइक्वांडो, जूडो, तलवार व लकड़ी चलाना, आत्मरक्षा हेतु पंचिंग तकनीक, ब्लॉक इत्यादि तकनीक छात्र–छात्राओं से साझा की गयी। इस के अलावा कई अचंभित कर देने वाले करतब भी दिखाए गए जिन की सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के सह आचार्य एवं समन्वयक, मानव संसाधन विकास केंद्र, केकड़ी के डॉ राजेश कुमार मीणा एवं सहायक आचार्य डॉ आस्था माथुर द्वारा किया गया। प्राचार्य एवं चिकित्सालय अधीक्षक डॉ पुनीत आर शाह ने प्रशिक्षक एवं सभी वालंटियर का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं छात्र–छात्राओं को दैनिक दिनचर्या में इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

विश्वविद्यालय एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट नागौर यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम भदाना में निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट नागौर यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम भदाना में दिनांक 14 दिसम्बर 2024 को निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस चिकित्सा शिविर का उद्घाटन प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला पूर्व कुलसचिव एवं प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, अधीक्षक संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय द्वारा किया गया। प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि हमें जीवन में सदैव आयुर्वेद के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए तथा उनको आत्मसात करना चाहिए, ताकि हम स्वस्थ रहें और निरोगी रहते हुए शतायु हों। प्रो. गोविंद गुप्ता ने कहा कि ग्राम भड़ाना में इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर के उपरांत भी जो रोगी जेएसडब्ल्यू सीमेंट ग्राम भदाना से रेफर होकर आयुर्वेद अस्पताल में आएंगे, उनकी संपूर्ण चिकित्सा प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी।

इस चिकित्सा शिविर में आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद के बालरोग विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल, स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा रेड्डी, उपाधीक्षक एवं स्वस्थवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, सहायक प्रोफेसर डॉ. भानुप्रिया चौधरी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी से डॉ राकेश कुमार मीणा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ नेचुरोपैथी एवं योग साइंस से डॉ धन्या उषा मधुकर, डॉ. मारकंडे बारहठ, पीजी अध्येता डॉ संजय, डॉ. नेहा, डॉ. रामवीर, डॉ. योगेश आदि ने अपनी सेवाएं दी। डॉ ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि चिकित्सा शिविर में कुल 200 से अधिक रोगियों ने चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया।

बीएचयू दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो. प्रजापति हुए सम्मानित

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में दिनांक 15 दिसम्बर 2024 को आयोजित दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्वतंत्रता भवन में आयोजित समारोह में बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर जैन और मुख्य अतिथि आइआइटी बीएचयू के पूर्व छात्र और अमेरिका में जाने माने उद्योगपति व जेड स्केलर के सीईओ जय चौधरी भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान प्रो. प्रजापति ने मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए और अपने विचार साझा करते हुए कहा, आपका भविष्य आपके हाथों में है। उन्होंने विद्यार्थियों को धन के पीछे न भागने और शिक्षा का उपयोग समाज की भलाई के लिए करने की प्रेरणा दी। समारोह में छात्रों को 34 स्वर्ण पदक दिए गये। बीएचयू के विभिन्न संकायों में हजारों विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

पुष्य नक्षत्र पर बच्चों को पिलाई स्वर्णप्राशन की खुराक

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम दिनांक 18 दिसम्बर 2024 पुष्य नक्षत्र में शहर के एक दर्जन केन्द्रों एम्स जोधपुर की आयुष ओपीडी में, जालोरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बालगृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय विक्टोरियन किड्स स्कूल में आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय ने किया आमजन का प्रकृति परीक्षण

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं छात्रों द्वारा देश के प्रकृति परीक्षण अभियान में आमजन का अधिक से अधिक संख्या में प्रकृति परीक्षण किया गया। कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय की ओर से देश का प्रकृति परीक्षण अभियान 26 नवंबर 2024 से 25 दिसंबर 2024 तक किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की ओर से आईआईटी, एम्स, निफ्ट, जेएनवीयू, कृषि विश्वविद्यालय, पुलिस विश्वविद्यालय, महिला महाविद्यालय, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सिंधी कालोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब, निजी छात्रावासों सहित जोधपुर शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों सहित आसपास के गांवों में आमजन का मोबाइल ऐप द्वारा प्रकृति परीक्षण किया गया। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि अपने स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए सभी को स्वयं की प्रकृति को जानना आवश्यक है। इस अभियान के नोडल

ऑफिसर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. महेंद्र शर्मा एवं समन्वयक क्रिया शरीर विभागाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेशचंद्र शर्मा सह समन्वयक ने बताया कि आयुर्वेद में प्रकृति परीक्षण की सहायता से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा व रोगी व्यक्ति के रोग की चिकित्सा की जाती है। उक्त अवधि में विश्वविद्यालय द्वारा हजारों लोगों का प्रकृति परीक्षण किया गया।

निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर की उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनाली त्यागी द्वारा अनुबंध–वृद्धाश्रम में दिनांक 19 दिसम्बर 2024 को मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 29 वृद्धजनों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। डॉ. मनाली त्यागी ने निराश वृद्धजनों का मानसिक मनोबल बढाने वाली विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। शिविर के दौरान अनुबंध–वृद्धाश्रम संस्थापक अनुराधा अडवानी ने पूरा सहयोग किया।

सामूहिक ध्यान से विश्वविद्यालय बना विश्व ध्यान दिवस का केंद्र

विश्वविद्यालय में दिनांक 21 दिसम्बर 2024 को प्रथम विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर संविधान पार्क में सामूहिक ध्यान के माध्यम से ऐतिहासिक विश्व कीर्तिमान का दावा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में हजारों प्रतिभागियों ने अर्धपद्मासन में ध्यान का अभ्यास कर इस उपलब्धि को साकार किया। इस दौरान तीस मिनट तक लगातार ध्यान का अभ्यास किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के पूज्य स्वाभी (डॉ.) परमार्थ देव उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को ध्यान व अभ्यास करवाते हुए इसके मनोदैहिक लाभों पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन में कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही। इनमें लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्थान, जोधपुर के सचिव राकेश निहाल, आर्मी कोणार्क से सूबेदार गजानंद, पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी करणाराम चौधरी, सोशल मीडिया राज्य प्रभारी दिलीप कुमार तिवारी, योगा बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सीईओ राकेश भारद्वाज, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, प्राचार्य पीजीआईए प्रो. महेंद्र शर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

स्वास्थ्य शिविर में 52 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक चिकित्सकों की टीम द्वारा कृषि महाविद्यालय, मण्डोर में दिनांक 22 दिसम्बर 2024 को निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. आभा अग्रवाल, डॉ. राकेश कुमार मीना एवं बीएचएमएस तृतीय वर्ष छात्र गजेंद्र दयाल व कृष्ण कुमावत द्वारा सेवाएं प्रदान करते हुए कुल 52 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

स्नातकोत्तर अगद तंत्र विभाग का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

स्नातकोत्तर अगद तंत्र विभाग का शैक्षणिक भ्रमण दल दिनांक 24 दिसम्बर 2024 को दस दिन के लिए रवाना हुआ। इस भ्रमण के बारे में विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर अगद तंत्र प्रो. रितु कपूर ने जानकारी देते हुए बताया की स्नातकोत्तर अध्येता तिलक आयुर्वेद महाविद्यालय पुणे, रीजनल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी पुणे, आरए पोद्दार आयुर्वेद महाविद्यालय मुंबई एवं सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया, पुणे सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण करेंगे एवं वहाँ हो रहे नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से जानेंगे।

होम्योपैथी में नवाचार जरूरीः प्रो. प्रजापति

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने जयपुर में आयोजित हो रहे 23वें अखिल भारतीय होम्योपैथिक वैज्ञानिक सेमिनार में भाग लिया।

इस दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन दिनांक 28–29 दिसम्बर 2024 को होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की राजस्थान राज्य शाखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने **सहयोगात्मक नेतृत्व के माध्यम से विनियमों को लागू करना** विषयक पैनल डिस्कशन के दौरान होम्योपैथी में नवाचार, शोध, शिक्षा और प्रैक्टिस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि होम्योपैथी में नवाचार और शोध को बढ़ावा देकर ही इसे आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समकक्ष खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण, प्रैक्टिस और नियामकों के बीच समुचित समन्वय स्थापित करने की महति आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी एकीकरण से चिकित्सा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान होम्योपैथिक महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो गोविंद प्रसाद गुप्ता, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के प्राचार्य डॉ. पुनीत शाह ने विभिन्न सत्रों के दौरान चेयरपर्सन के रूप में भाग लिया। इसके अतिरिक्त दोनों होम्योपैथी कॉलेजों के संकाय सदस्यों ने शोधपत्र वाचन भी किया।

आयुर्वेद और होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 29 दिसम्बर 2024 को गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में वार्षिक कीर्तन समागम के अंतर्गत विशेष आयुर्वेद और होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसके प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव एवं सह–प्रभारी डॉ सौरभ अग्रवाल रहे। शिविर में विशेषज्ञों ने वात व्याधि, मधुमेह, मोटापा, हृदय रोग, खांसी, जुकाम, बुखार, उच्च रक्तचाप, गठिया रोग और संधि वात जैसी बीमारियों के लिए निःशुल्क परामर्श और औषधियों का वितरण किया। संजीवनी चिकित्सालय के अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने बताया कि शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि शर्मा और डॉ. आशा के.पी., स्वस्थवृत एवं योग विभाग से डॉ. सौरभ अग्रवाल, काय चिकित्सा विभाग से डॉ. भानुप्रिया चौधरी और होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. ऋषिकेश आचार्य ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस शिविर में 248 लोगों ने आयुर्वेद चिकित्सा का तथा 85 लोगों ने होम्योपैथी चिकित्सा का लाभ उठाया।

मोकलावास (केरू) में निःशुल्क आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनाक 29 दिसम्बर 2024 को विश्वविद्यालय एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम मोकलावास (केरू) में निःशुल्क आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कमर दर्द, साइटिका, श्वास रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अनिद्रा आदि के 340 रोगियों की चिकित्सा की गई। इस शिविर में डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित ने अभ्यंग, अग्निकर्म, पत्रपिंड स्वेदन आदि से 50 रोगियों का उपचार किया। प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धन्या ऊषा मधु कुमार, सहायक प्रोफेसर डॉ. अजीत सिंह चारण ने एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, इंफ्रा रेड, टेंस आदि के द्वारा रोगियों का उपचार किया।

विश्वविद्यालय में शुरू होगा स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम

प्रदेश में पहली बार विश्वविद्यालय में स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जाएगा। इसमें गौ आधारित पंचगव्य एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सिखाया जाएगा। लोक में प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों का वैज्ञानिकीकरण करने के प्रमुख उद्देश्य से भी यह पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि इस अभिनव डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्देश्य समाज में दो प्रमुख स्तरों पर महत्वपूर्ण कार्य करना है, जिसमें पहला प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य के जागरुक कार्यकर्ता तैयार किए जाएंगे, जो गांवों और दूर–दराज के क्षेत्रों में रोगों के निवारण के लिए परामर्श और सरल उपचार उपलब्ध कराएंगे। इससे अस्पतालों पर भार कम होगा और गंभीर रोगियों को बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। वहीं यह पाठ्यक्रम आम व्यक्ति को सिखाएगा कि वह कैसे स्वस्थ रहे और बीमारियों से बचे। प्रशिक्षित कार्यकर्ता गांव और छोटे स्थानों पर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाएंगे।

सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बीएचयू में दिया अतिथि व्याख्यान

सीएचआरडी निदेशक एवं पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेद में रचना शारीर विभाग के डॉ राकेश कुमार शर्मा ने दिनांक 27 दिसंबर 2024 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के रचना शारीर विभाग द्वारा धन्वंतरि भवन में नवाचार के रूप में प्रारम्भ नवीन व्याख्यानमाला के प्रथम व्याख्यान में **कंटेम्परेरी पेडोगॉजिकल अप्रोच इन टीचिंग ऑफ रचना शारीर** विषय पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने आज के समय में आयुर्वेद में बताए गए रचना शरीर के ज्ञान को किस प्रकार से आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रमाणित करते हुए इनको समझा जा सकता है, इस बारे में व्याख्यान में उपस्थित स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं स्नातक स्तरीय छात्रों को विस्तार से बताया। व्याख्यान सत्र के दौरान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. अशोक चौधरी, आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. पीके गोस्वामी, रचना शारीर विभाग के सीनियर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. हरि हृदय अवस्थी, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. केएन सिंह एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विजयलक्ष्मी गौतम ने उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अनेक संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

उप संरक्षक
श्री अखिलेश कुमार पिपल (RAS)
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह–सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. भानुप्रिया चौधरी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, काय चिकित्सा

डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://department.rajasthan.gov.in/home/dptHome/221
स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23–ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ

प्रिण्टेड बुक

सेवा में

....

....

....

....